291

MAHD-06

June - Examination 2018

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) उपन्यास की परिभाषा लिखिए।

(ii) 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी के कहानीकार का नाम लिखिए।

(iii) 'मेरा दुश्मन' कहानी में पत्नी का चरित्र सबसे आकर्षक है – क्यों?

(iv) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(v) 'कृष्णा सोबती' को व्यास पुरस्कार किस रचना पर मिला है?

(vi) होरी और धनिया किस उपन्यास के पात्र हैं?

(vii) 'समय सरगम' उपन्यास का मूल कथ्य क्या है?

(viii) मुन्शी प्रेमचन्द की चार कहानियों के नाम लिखिए।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) 'मधुआ' कहानी के आधार पर शराबी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

3) 'यशपाल ने 'महाराजा का इलाज' कहानी में सामन्ती – जीवन पर व्यंग्य किया है'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4) सिद्ध कीजिए कि ज्ञानरंजन की 'पिता' कहानी में दो पीढ़ियों के अन्तर का संघर्ष है।

5) निम्न गंद्याश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''राज्य में हाहाकार मचा हुआ था। प्रजा दिन दहाड़े लूटी जाती थी। कोई फरियाद सुनने वाला न था। देहातों की सारी दौलत लखनऊ में खिंची आती थी और वह वेश्याओं में भाँड़ों में और विलासिता के अन्य अंगों की पूर्त्ति में उड़ जाती थी। अंग्रेज कम्पनी का ऋण दिन दिन बढ़ता जाता था। कमली दिन – दिन भीग कर भारी होती जाती थी।

6) निम्न गंद्याश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

एक चिन्ता पूर्ण आलोक में आज पहले पहल शराबी ने आँख खोलकर कोठरी में विखरी हुई दारिद्रय की विभूति को देखा और देखा उस घुटनों से ढुड्डी लगाये हुए निरीह बालक को । उसने तिल मिलाकर मन ही मन प्रश्न किया – किसने ऐसे सुकुमार फूलों को कष्ट देने के लिए निर्दयता की सृष्टि की? आह री नियति! तब इसको लेकर मुझे घर–बारी बनना पड़ेगा क्या?

7) विभिन्न कहानी आन्दोलनों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

8) 'पत्नी' कहानी के आधार पर जैनेन्द्र की कहानी कला की विशेषताएँ बताइये।

9) मनोवैज्ञानिक उपन्यास की दृष्टि से 'शेखर एक जीवनी' पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) ''गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य है'' – विश्लेषण कीजिए।

11) ''वैश्वीकरण के कारण स्त्री – पुरूष सम्बन्धों में बदलाव आ रहा है'' – 'टूटना' कहानी के आधार पर (स्पष्ट कीजिए)

12) 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के प्रमुख पात्र शेखर की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
   (i) जनजागरण और हिन्दी उपन्यास
   (ii) अकहानी
   (iii) नगर – बोध की कहानी
   (iv) कृष्णा – सोबती की उपन्यास कला